एसबीएमए और ईको सॉल्यूशन ने बांटी सोलर लाइट, 1991 से ठप है गांव की विद्युत आपूर्ति

सोलर लाइट से रोशन हुआ पिलंग

अमर उजाला ब्यूरो

उत्तरकाशी। विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते वर्ष 1991 के भूकंप में लाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद से बिजली के इंतजार में पथरा गई पिलंग के ग्रामीणों की आखें अब एक स्वयंसेवी संस्था द्वारा सोलर लाइट मुहैया कराने से चमक उठी हैं। दीपावली पर पिलंग गांव में लोगों के घर श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम और मुंबई की ईको सौल्यूशन से दी गई सोलर लाइट से रोशन हो सकेंगे।

ज्ञातव्य है कि वर्ष 1991 के विनाशकारी भूकंप में पिलंग गांव की बिजली की लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके बाद से विद्युत विभाग ने इस गांव की सुध नहीं ली। हालांकि दो वर्ष पूर्व यहां राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के तहत बिजली के खंबे खड़े कर लाइन बिछायी गई, लेकिन इससे भी दो-

पिलंग में सोलर लाइट से घर रोशन होने की उम्मीद के साथ ग्रामीण।

एक दिन घर रोशन होने के बाद से पिलंग में अंधेरा पसरा है। बीते 14 अक्तूबर को इस संबंध में खबर प्रकाशित करने पर विद्युत विभाग के अधिकारी भटवाड़ी की बीडीसी बैठक में नवंबर तक गांव में बिजली पहंचाने का दावा तो कर आए, लेकिन ग्रामीणों की अंधेरी दीपावली की याद किसी को नहीं आई।

अब एसबीएमए तथा मुंबई की ईको सॉल्यूशन ने दीपावली पर पिलंगवासियों के घर रोशन करने का बीड़ा उठाया है। संस्था ने बीते रोज पिलंग गांव जाकर वहां ग्रामीणों को 78 सोलर लाइट मुहैया कराईं। आज भी पिलंग में 23, जौड़ाव व सिल्ला पलसारी में 22-22 सोलर लाइट भिजवाई गई हैं। अब ये तो तय है कि पिलंगवासियों की दीपावली अंधेरी नहीं होगी। पिलंग गांव के प्रधान चंदन सिंह, हुकम सिंह आदि ने कहा कि बच्चे अब रात के समय भी इन लाइटों की रोशनी में पढ़ाई कर सकेंगे।

450 परिवारों को दी जाएंगी लाइटें

उत्तरकाशी। एसबीएमए के परियोजना प्रबंधक गोपाल थपलियाल व ईको सॉल्यूशन के यतेंद्र अग्रवाल ने बताया कि संस्था पिलंग के साथ ही भटवाड़ी प्रखंड के अंतर्गत जौड़ाव, सिल्ला, कुज्जन, बार्सू, सालू, स्याबा, बयाणा, सैंज व नटीण गांव के विद्युत विहीन तोकों में 450 परिवारों को सोलर लाइट मुहैया कराएगी।